कुमाउनी भाषा विभाग

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, उत्तराखंड

DRAFT

National Education Policy-2020

YEAR-2024

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for First Three Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF UG KUMAUNI BHASHA SYLLABUS

कुमाउनी भाषा विभाग

SYLLABUS DRAFTING COMMITTEE

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	PROF. PREETI ARYA	PROFESSOR & HEAD/CONVENER	HINDI	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
2	DR. BACHAN LAL	ASSISTANT PROFESSOR	HINDI	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
3	DR. ASHA SHAILY	ASSISTANT PROFESSOR (C)	KUMAUNI BHASHA	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY

EXPERT COMMITTEE

S.N.	NAME	DESIGNATION	DEPARTMENT	AFFILIATION
1.	PROF. DEV SINGH POKHARIYA	PROFESSOR (Retd)	HINDI	KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
2.	PROF. NAVEEN CHANDRA LOHANI	PROFESSOR	HINDI	CCS UNIVERSITY MEERUT, U. P
3.	PROF. CHANDRAKALA RAWAT	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY NAINITAL
4.	PROF. JAGAT SINGH BISHT	PROFESSOR	HINDI	SOBAN SINGH JEENA UNIVERSITY, ALMORA
5.	PROF. SHIRISH KUMAR MOURYA	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY NAINITAL
6.	DR. PRITI ARYA	PROFESSOR & HEAD/CONVENER	HINDI & KUMAUNI BHASHA	SOBAN SINGH JEENA UNIVERSITY, ALMORA
7.	DR. SHASHANK SHUKLA	ASSOCIATE PROFESSOR	HINDI	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY HALDWANI

अनुक्रमणिका

01	**प्रश्नपत्रों की सूची**		
02	Programme Specific Outcomes (PSOs)		
03	**प्रथम सत्रार्द्ध**	**कोर्स**	**क्रेडिट**
	कुमाउनी व्याकरण	DSC[1]	4
	लोक साहित्य एवं कुमाउनी लोक साहित्य	GE[1]	4
04	**द्वितीय सत्रार्द्ध**	**कोर्स**	**क्रेडिट**
	कुमाउनी काव्य प्रथम एव द्वितीय चरण	DSC[2]	4
	कुमाउनी भाषा और बोली रूप	GE [2]	4
03	**तृतीय सत्रार्द्ध**	**कोर्स**	**क्रेडिट**
	कुमाउनी कथा साहित्य	DSC[3]	4
	कुमाउनी नाट्य साहित्य एवं कुमाउनी लोक नाट्य	DSE[1]	4
	कुमाउनी लोककथाएं	GE[3]	4
04	**चतुर्थ सत्रार्द्ध**	**कोर्स**	**क्रेडिट**
	कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य	DSC[4]	4
	कुमाउनी पत्रकारिता	DSE[2]	4

	कुमाउनी प्रकीर्ण साहित्य	GE[4]	4
05	**पंचम सत्रार्द्ध**	**कोर्स**	**क्रेडिट**
	कुमाउनी काव्य तृतीय चरण	DSC[5]	4
	कुमाउनी लोक छंद	DSE[3]	4
	कुमाउनी संस्कृति	GE[5]	4
	कुमाउनी प्रोजेक्ट कार्य	IAPC[1]	4
06	**षष्ठ सत्रार्द्ध**	**कोर्स**	**क्रेडिट**
	कुमाउनी अनूदित साहित्य	DSC[6]	4
	कुमाउनी लोकगाथा	DSE[4]	4
	कुमाउनी शब्दावली, वाक्य संरचना एवं मानकीकरण	GE[6]	4
	कुमाउनी प्रोजेक्ट कार्य	IAPC[2]	4

	List of all Papers in six Semester Semester-wise Titles of the Papers in KUMAUNI BHASHA				
Year	**Sem.**	**Course Code**	**Paper Title**	**Theory / Practical**	**Credits**
	Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study -KUMAUNI BHASHA				
FIRST YEAR	**I**	**DSC** [1]	कुमाउनी व्याकरण	**Theory**	4
		GE [1]	लोक साहित्य एवं कुमाउनी लोक साहित्य	**Theory**	4
	II	**DSC** [2]	कुमाउनी काव्य प्रथम एव द्वितीय चरण	**Theory**	4
		GE [2]	कुमाउनी भाषा और बोली रूप	**Theory**	4
	Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study -KUMAUNI BHASHA				
SECOND YEAR	**III**	**DSC**[3]	कुमाउनी कथा साहित्य	**Theory**	4
		DSE [1]	कुमाउनी नाट्य साहित्य एवं कुमाउनी लोक नाट्य	**Theory**	4
		GE [3]	कुमाउनी लोककथाएं	**Theory**	4
	IV	**DSC** [4]	कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य		4
		DSE [2]	कुमाउनी पत्रकारिता	**Theory**	4
		GE [4]	कुमाउनी प्रकीर्ण साहित्य	**Theory**	4
	Bachelor of in Multidisciplinary Study - KUMAUNI BHASHA				
	V	**DSC** [5]	कुमाउनी काव्य तृतीय चरण	**Theory**	4

THIRD YEAR		DSE [3]	कुमाउनी लोक छंद	Theory	4
		GE [5]	कुमाउनी संस्कृति	Theory	4
		IAPC [1]	कुमाउनी प्रोजेक्ट कार्य	Theory	4
	VI	DSC [6]	कुमाउनी अनूदित साहित्य	Theory	4
		DSE [4]	कुमाउनी लोकगाथा	Theory	4
		GE [6]	कुमाउनी शब्दावली वाक्य संरचना एवं मानकीकरण	Theory	4
		IAPC [2]	कुमाउनी प्रोजेक्ट कार्य	Theory	4

बहुविषयक अध्ययन पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रारूप (कुमाउनी भाषा विषय का पाठ्यक्रम)

UG

Year	Sem	Core(DSC) Credit 4	Elective (DSE) / Credit 4	Generic Eletive (GE) Credit 4	Ability Enhancement Course(AEC) Credit 2	Skill Enhancement Course(SEC) Credit 2	Internship/Apprenticeship/Project /Community Outreach (IAPC) Credit 4	Value Addition Course(VAC) Credit 2	Total Credit
I	I	कुमाउनी व्याकरण	X	लोक साहित्य एवं कुमाउनी लोक साहित्य	X		X	--	

	II	कुमाउनी काव्य प्रथम एव द्वितीय चरण	X	कुमाउनी भाषा और बोली रूप	X		X	--	
II	III	कुमाउनी कथा साहित्य	कुमाउनी नाट्य साहित्य एवं कुमाउनी लोक नाट्य	कुमाउनी लोककथाएं	X		X	---	
	IV	कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य	कुमाउनी पत्रकारिता	कुमाउनी प्रकीर्ण साहित्य	X		X	---	
III	V	कुमाउनी काव्य तृतीय चरण	कुमाउनी लोक छंद	कुमाउनी संस्कृति	X		कुमाउनी प्रोजेक्ट कार्य	----	
	VI	कुमाउनी अनूदित साहित्य	कुमाउनी लोकगाथा	कुमाउनी शब्दावली वाक्य संरचना एवं मानकीकरण	X		कुमाउनी प्रोजेक्ट कार्य	---	

Programme Specific Outcomes (PSOs) (Undergraduate Programme) Afterthis programme, the learners will be able to:	
PSO1	नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत और भाषा साहित्य की नई उत्तरसंरचनवादी पद्धतियों में क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन का महत्व एवं शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र कार्यक्रम के अंतर्गत DSC विषय के रूप में कुमाउनी भाषा के व्याकरण से कुमाउनी का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है। शिक्षार्थी कुमाउनी के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का देवनागरी लिपि के माध्यम से रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है । शिक्षार्थी कुमाउनी की भाषिक संरचना और व्याकरण का ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO2	शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत GE विषय के रूप में कुमाउनी लोक साहित्य के इतिहास की परंपरा का ज्ञान प्राप्त करता है। कुमाउनी लोक साहित्य के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करते हुए इसकी सभी विधाओं का परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO3	शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSC विषय के रूप में प्रारम्भिक कुमाउनी काव्य का परिचय प्राप्त करते हुए तत्कालीन सभी रचनाकारों के काव्य की वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करेगा।
PSO4	शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत GE विषय के रूप में कुमाउनी भाषी क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी प्राप्त करते हुए कुमाऊँ की ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करता है । शिक्षार्थी कुमाऊँ क्षेत्र में बोली जाने वाली विविध बोली रूपों का परिचय एवं उनके मध्य निहित अन्तर का ज्ञान प्राप्त करता है ।
PSO 5	शिक्षार्थी शिक्षा प्राप्ति में व्यवधान होने की स्थिति में भी कुमाउनी भाषा-साहित्य तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण पत्र प्राप्त करेगा, जो उसे आजीविका प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा ।

PSO6	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSC विषय के रूप में कुमाउनी के कथाकारों का परिचय प्राप्त करते हुए उनकी रचनाओं का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा ।
PSO7	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSE विषय के रूप में कुमाउनी नाट्य साहित्य के माध्यम से नाटक के ऐतिहासिक सामाजिक अभिप्रायों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय का ज्ञान प्राप्त करते हुए रचनाओं का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा ।
PSO8	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत GE विषय के रूप में लोककथाओं के स्वरुप, प्रकार एवं उद्देश्य के साथ.साथ कुमाउनी के प्रकीर्ण साहित्य का भी ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO9	शिक्षार्थी स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSC विषय के रूप में निबंध और उसके स्वरूप का परिचय प्राप्त करते हुए कुमाउनी के निबंधकारों और उनके द्वारा निबंधों से सैद्धांतिक ज्ञान एवं परिचय प्राप्त करेगा। शिक्षार्थी गद्येतर साहित्य अर्थात स्मारक साहित्य की विधाओं जैसे-संस्मरण,यात्रा साहित्य, जीवनी, व्यंग्य, साक्षात्कार और पत्र साहित्य इत्यादि का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करते हुए इनका परिचय प्राप्त करेगा ।
PSO10	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSE विषय के रूप में कुमाउनी पत्रकारिता के स्वरुप एवं कुमाउनी पत्रकारिता के उद्भव एवं विकास का अध्ययन प्राप्त करेगा।
PSO11	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के अंतर्गत GE विषय के रूप में कोश निर्माण की प्रक्रिया और कुमाउनी प्रकाशित कुमाउनी कोशों का अध्ययन करेगा।
PSO12	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSC विषय के रूप में कुमाउनी काव्य के अंतर्गत कुमाउनी काव्य धारा के तीसरे चरण के रचनाकारों की रचनाओं का परिचय प्राप्त करते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बदले कथ्य और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करेगा।

PSO13	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSE विषय के रूप में काव्यांग विवेचन के प्रकार एवं स्वरुप से परिचित होगा जिसमें रस, अलंकार एवं शब्द शक्तियों का संक्षिप्त रुप में अध्ययन करेगा। शिक्षार्थी कुमाउनी लोक छंदों का विस्तृत अध्ययन करेगा।
PSO14	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत GE विषय के रूप में कुमाउनी संस्कृति के विविध आयामों का अध्ययन करेगा।
PSO15	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSC विषय के रूप में कुमाउनी अनुदित साहित्य के माध्यम से अनुवाद प्रक्रिया के सैद्धांतिक पक्ष का ज्ञान प्राप्त करेगा। द्विभाषिक अनुवाद प्रशिक्षण एवं अभ्यास से अनुवाद कला में दक्षता प्राप्त कर रोजगार प्राप्त कर सकेगा।
PSO16	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत DSE विषय के रूप में लोक गाथा सम्मिलित किया गया है। जिसमें शिक्षार्थी लोक गाथा का स्वरुप, प्रकार एवं वर्गीकरण के साथ ही लोक में व्यापत परंपरागत लोक विज्ञान (पर्यावरण, चिकित्सकी, भौतिकी एवं मनोवैज्ञानिक) का ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO17	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत GE विषय के रूप में कुमाउनी शब्दावली एवं उसकी वाक्य संरचना एवं मानकीकरण का परिचय प्राप्त करि हुए उसका सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा। शिक्षार्थी कुमाउनी के भाषिक स्वरूप को समझने हेतु उसके शब्दों रूप रचना व शब्द निर्माण के प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO18	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत IAPC विषय के रूप में प्रोजेक्ट (क्षेत्रीय भ्रमण, सर्वेक्षण एवं लघुशोध परियोजना) करते हुए शोध के अर्थ, स्वरुप एवं महत्व का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा।

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study-KUMAUNI BHASHA

SEMESTER - I

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: कुमाउनी व्याकरण	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: - KUMAUNI BHASHA	Year: I	Semester: I Paper-DSC
CourseCode: DSC[1]	Course Title: कुमाउनी व्याकरण	

Course Outcomes:

CO1. साहित्य की नई पद्धति में क्षेत्रीय भाषा के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाऊँ और कुमाउनी भाषा का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है ।

CO2. शिक्षार्थी कुमाउनी के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षाथी कुमाउनी के भाषिक स्वरूप का सैद्धांतिक ज्ञान व परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 4	**Discipline Specific Course**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	भाषा व्याकरण और भाषा अध्ययन में व्याकरण की उपयोगिता	10
Unit II	कुमाउनी का व्याकरणिक स्वरूप : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी तथा कुमाउनी अंक, कुमाउनी भाषा के लिए देवनागरी लिपि की उपयुक्तता	10
Unit III	कुमाउनी का भाषिक स्वरूप : कुमाउनी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि	10
Unit IV	शब्द विचार : शब्द और पद, कुमाउनी शब्दों की रूपरचना- (क) विकारी शब्द, संज्ञा, लिंग, वचन, कारक, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, काल। (ख) विकारी (अव्यय) शब्द : क्रिया विशेषण, संबंधबोधक अव्यय, समुच्चयबोधक (योजक) अव्यय, विस्मयादि बोधक अव्यय।	10
Unit V	विराम चिन्ह	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

सहायक ग्रंथ

1. डॉ० भवानीदत्त उप्रेती - कुमाउनी भाषा का अध्ययन, कुमाउनी संस्कृति,कटरा, इलाहाबाद
2. डॉ० केशवदत्त रुवाली - 1. कुमाउनी हिन्दी व्युत्पत्ति कोश, ग्रंथायन अलीगढ़
3. कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
4. डॉ० सुरेश पंत, कुमाई (कुमाउनी) के क्रियापद: एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, सूर्यभर्ती प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली
5. डॉ० शेरसिंह बिष्ट 1. कुमाउनी (हिन्दी की सहभाषा), साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 2.कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी
6. डॉ० देव सिंह पोखरिया व डॉ० भगत सिंह - कुमाउनी भाषा का उद्भव और विकास और उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी
7. डॉ० भवानी दत्त काण्डपाल - कुमाउनी का संस्कृतमूलक व्याकरण, भाषा विज्ञान एवं साहित्य, उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार
8. डॉ० डी०डी० शर्मा, A Study of loan words in central Pahari; Panjab university, Chandigarh
9. डॉ० जगतसिंह बिष्ट, कुमाउनी की उपबोली अस्कोटी का व्याकरण, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी

SEMESTER - I

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कुमाउनी लोक साहित्य	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: - KUMAUNI BHASHA	Year: I	Semester: I Paper-GE
Course Code: GE[1]	Course Title: **कुमाउनी लोक साहित्य**	

Course Outcomes:

CO1.प्रत्येक समाज/राष्ट्र की एक लोक परम्परा होती है। वैश्विक स्तर पर लोक साहित्य की महत्ता असंदिग्ध है इसीलिए विश्वविद्यालयों में इसके पृथक विभाग स्थापित किए गए हैं। लोक साहित्य के अध्ययन से शिक्षार्थी उस मूल लोक परम्परा के अर्थ, स्वरूप और महत्व का परिचय तथा सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी लोकसाहित्य के विविध सैद्धांतिक पक्षों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी लोक साहित्य के विविध रूपों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोक साहित्य के शोध का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4	**Generic Electives**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	लोक साहित्य : तात्पर्य एवं परिभाषाएं, कुमाउनी लोक साहित्य से आशय	10
Unit II	लोक साहित्य एवं लोकवार्ता, लोक साहित्य एवं परिनिष्ठित साहित्य	10
Unit III	लोक साहित्य का वर्गीकरण : लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य तथा प्रकीर्ण विधाएं	10
Unit IV	कुमाउनी वाचिक साहित्य (लोकगाथा- मालूशाही, गौरा-महेश्वर, गोरीधना के व्याख्या अंश)	10
Unit V	कुमाउनी वाचिक साहित्य (संग्रह में संकलित समस्त लोकगीत के व्याख्या अंश)	10
	Class Room Lectures, Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

पाठ्यपुस्तक

1. कुमाउनी वाचिक साहित्य (सं०) डॉ० शेरसिंह बिष्ट, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या अंश)

सहायक ग्रंथ

1. लोक साहित्य, डॉ० चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी
2. लोकसाहित्य विज्ञान, डॉ० सत्येन्द्र - लोक साहित्य विज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. कुमाऊँ का लोकसाहित्य, डॉ० त्रिलोचन पांडे ,अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
4. कुमाउनी लोक साहित्य की पृष्ठभूमि, डॉ० त्रिलोचन पांडे, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
5. कुमाऊँ का लोक साहित्य, डॉ० कृष्णानंद जोशी, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
6. कुमाउनी लोकगीत, (सं०) डॉ० देवसिंह पोखरिया, मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद, भोपाल

SEMESTER - II

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: कुमाउनी काव्य (प्रथम एवं द्वितीय चरण)	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	**Year: I**	**Semester: II** **Paper-DSC**
Course Code: DSC^{2}	Course Title: **कुमाउनी काव्य (प्रथम एवं द्वितीय चरण)**	

Course Outcomes:

CO1. साहित्य एक ऐसा माध्यम है जो किसी भी समाज व उसकी दशा- दिशा, गति, उद्वेलन आदि को सजीवता से चित्रित करता है। स्नातक स्तर पर शिक्षार्थी कुमाउनी भाषा साहित्य का अध्ययन करते हुए अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक और सामाजिक गत्यात्मकता की मूल्यपरक पहचान करता है।

CO2. शिक्षार्थी कुमाऊँ के इतिहास का अध्ययन करता है। कुमाऊँ के इतिहास को पढ़ते हुए शिक्षार्थी कुमाऊँ की मूलजातियों, राजव्यवस्था, धर्म-कला आदि से लेकर आधुनिककाल/उत्तरकाल तक के वैचारिक परिदृश्य तक इस लंबी परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी जहां उच्च शिक्षा में अध्ययन-अध्यापन हेतु अपना मार्ग तैयार करता है, वहीं नई शिक्षा नीति के तहत प्राइमरी स्तर पर अध्यापन हेतु आधारभूत ज्ञान तथा योग्यता भी प्राप्त करता है। शिक्षार्थी कुमाउनी काव्य के प्रारंभिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है ।

CO4. शिक्षार्थी कुमाउनी साहित्य परंपरा के प्रथम चरण के कवियों एवं उनके कृतित्व का तत्कालीन परिस्थितियों के आलोक में परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है ।

CO5.शिक्षार्थी कुमाउनी साहित्य परंपरा के द्वितीय चरण के कवियों एवं उनके कृतित्व का तत्कालीन परिस्थितियों के आलोक में परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है ।		
Credits: 4	**Discipline Specific Course**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	कुमाउनी परिनिष्ठित साहित्य: उद्भव एवं विकास, कुमाउनी परिनिष्ठित साहित्य के इतिहास का काल विभाजन - 1. प्रारंभिक काल 2. मध्यकाल 3. आधुनिक काल	**20**
Unit II	कुमाउनी के प्रारंभिक कवियों का परिचय, साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं विशेषताएं	10
Unit III	गुमानी (कुमाउनी काव्य), गौरी दत्त पांडे 'गौर्दा' - हमरो कुमाऊँ, बचीराम पंत हल, चारुचन्द्र पाण्डे, मैतैकि याद, शेरदा 'अनपढ़' - फस्की यार, आ हा रे सभा, बंशीधर पाठक 'जिज्ञासु' -कलजुगा तेरी जै! श्रीमती देवकी महरा - पहाडै कुन्थी, पहाडै चेली, गोपालदत्त भट्ट चिणंक ब्वैण छन, मथुरादत्त मठपाल - आङ् - आङ् चिचैल है गो! हीरासिंह राणा यौ तिरंगा मिलौ कफन, गिरीश तिवाड़ी 'गिर्दा' - हम लड़ते रुँलो,	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

पाठ्यपुस्तक

1. कुमाउनी काव्य संचयन डॉ० चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन हल्द्वानी (व्याख्या हेतु चयनित काव्य)

सहायक ग्रंथ

1. कहै गुमानी, संपादक - डॉ० उमा भट्ट, पहाड़ पोथी, नैनीताल - 2010
2. कुमाउनी कवियों का विवेचनात्मक अध्ययन, डॉ० नारायणदत्त पालीवाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
3. कुमाउनी, शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी, दिल्ली
4. उत्तराखंड की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां, डॉ० दिवा भट्ट, प्रकाश पब्लिकेशन, अल्मोड़ा

SEMESTER - II

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURS

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कुमाउनी भाषा और बोली रूप	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study

Programme: -KUMAUNI BHASHA	Year: I	Semester: II Paper-GE

Course Code: GE[2]	Course Title: **कुमाउनी भाषा और बोली रूप**

Course Outcomes:

CO1. भाषा और साहित्य की उत्तरसंचनावादी पद्धति में क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाऊँ और कुमाउनी भाषा का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. नई शिक्षा नीति -2020 के तहत क्षेत्रीय भाषाओं का महत्व सर्वविदित है। कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी सरकारी - गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर प्राप्त कर सकता है ।

CO3. शिक्षार्थी कुमाउनी भाषी क्षेत्र की भौगोलिक व सांस्कृतिक जानकारी प्राप्त करते हुए कुमाउनी के विविध रूपों का परिचय एवं उनके मध्य निहित अंतर का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कुमाउनी तथा हिंदी के पारम्परिक आदान-प्रदान को समझते हुए हिंदी को कुमाउनी द्वारा दिए गए योगदान का परिचय प्राप्त करता है ।

CO5. शिक्षार्थी कुमाउनी व अन्य पहाड़ी भाषाओं के पारम्परिक संबंध को समझते हुए उनके मध्य शब्द व संरचनागत आदान-प्रदान का परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है ।

Credits: 4	Generic Electives

Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	कुमाउनी भाषा : 'कुमाऊँ' शब्द की व्युत्पत्ति, विभिन्न मत, कुमाउनी शब्द की मानक वर्तनी, कुमाऊँ की पृष्ठभूमि, कुमाउनी भाषी क्षेत्र ।	10
Unit II	कुमाउनी की विविध बोलियां का सामान्य परिचय, भाषिक विशेषताएं	10
Unit III	पश्चिमी तथा पूर्वी कुमाउनी का तुलनात्मक अध्ययन - साम्य- वैषम्य, बोली-विभेद, कुमाउनी बोलियों के भाषाई नमूने	10
Unit IV	कुमाउनी तथा हिंदी का पारस्परिक आदान-प्रदान, हिंदी को कुमाउनी का योगदान	10
Unit V	कुमाउनी तथा अन्य पहाड़ी भाषाओं का पारस्परिक संबंध - कुमाउनी-गढ़वाली, कुमाउनी-नेपाली	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

सहायक ग्रंथ

1. कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति, प्रो० केशव दत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
2. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, डॉ० देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
3. कुमाउनी भाषा का अध्ययन, डॉ० भवानीदत्त उप्रेती - कुमाउनी संस्कृति, कटरा, इलाहाबाद
4. कुमाउनी गुजराती मराठी समस्रोतीय -समानार्थी शब्दकोश, डॉ० चन्द्रकला रावत, वितरक - कंसल बुक डिपो
5. कुमाउनी की उपबोली अस्कोटी का व्याकरण, डॉ० जगतसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study -KUMAUNI BHASHA

SEMESTER - III

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: कुमाउनी कथासाहित्य	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	Year: II	Semester: III Paper-DSC
Course Code: DSC[3]	Course Title: कुमाउनी कथासाहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी कुमाउनी उपन्यास, कहानी के उद्‌भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्‌धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है ।

CO2. शिक्षार्थी पाठयक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से कुमाउनी कहानी के विकासक्रम, उनके विशिष्ट कथ्य तथा परिवर्तित होते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी 'अवमवाट' उपन्यास के अध्ययन से कुमाउनी समाज की सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक संरचना का साक्षात्कार करते हुए बदलती जीवन -परिस्थितियों को समझने की वैचारिक पद्‌धति का ज्ञान प्राप्त करता है ।

Credits: 4	**Discipline Specific Course**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कुमाउनी के कथाकार : परिचय एवं रचनाएं	10
Unit II	कुमाउनी कहानी का उद्‌भव, विकास एवं शिल्प	10
Unit III	कुमाउनी कहानी संचयन : मन्याडर- बहादुर बोरा 'श्री बंधु', बड़्याट- डा० योगेन्द्र प्रसाद जोशी 'नवल', रधुलि पगलि- डॉ० हयातसिंह रावत, ग्यस उज्याव- जगदीश जोशी, चनरी- डा० दीपा कांडपाल, ठुलि बरयात- महेन्द्र ठकुराठी, माटिक मोह- भैरव दत्त पांडे	10
Unit IV	कुमाउनी उपन्यास का उद्‌भव, विकास एवं शिल्प	10
Unit V	अवमवाट : श्यामसिंह कुटौला	10

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

पाठ्यपुस्तक

1. अवमवाट (उपन्यास) श्यामसिंह कुटौला, सूरी पनार समिति, अल्मोड़ा
2. कुमाउनी, कहानी संचयन, संपा० डॉ० प्रीति आर्या, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी

सहायक ग्रंथ

1. कुमाउनी, शेर सिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2. हम और हमारा कुमाऊँ - लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, डॉ० प्रभा पंत, आधार प्रकाशन, हल्द्वानी

SEMESTER - III

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		

DSE: कुमाउनी नाट्य साहित्य एवं कुमाउनी लोक नाट्य	**4**	2	**1**	1		**Nil**

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	**Year: II**	**Semester: III** **Paper-DSE**
Course Code: DSE[1]	**Course Title: कुमाउनी नाट्य साहित्य एवं कुमाउनी लोक नाट्य**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी नाटक के ऐतिहासिक, सामाजिक अभिप्रायों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी पाठयक्रम में सम्मिलित नाटक 'सुरजू कुँवर' के अध्ययन से कुमाउनी नाट्यलेखन के विकास, उसके शिल्पगत वैशिष्टय का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी एकांकी विधा के स्वरूप का परिचय, नाटक एवं एकांकी के अंतर का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	**Discipline Specific Electives**

Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	नाटक : विधागत स्वरूप एवं उद्भव	15

Unit II	कुमाउनी नाटक साहित्य	10
Unit III	नाटक 'सुरजू कुँवर' से केवल 'अजुवा बफौल' की व्याख्या पूछी जाएगी, शकुन्तलाकि पछाण- प्रथम एवं द्धितीय अंक	15
Unit IV	एकांकी : सामान्य परिचय, नाटक एवं एकांकी में भेद	10
	Class Room Lectures, Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

पाठ्यपुस्तक

1. सूरजू कुँवर (नाटक) त्रिभुवन गिरि, उत्तरायण कम्प्यूटर्स, अल्मोड़ा
2. शकुन्तलाकि पछाण, कैलास चंद्र लोहनी, प्रेम ग्रन्थ भनार, टनकपुर (नैनीताल)

सहायक ग्रंथ

1. कुमाउनी, शेर सिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2. कुमाउनी लोक नाट्य, डॉ० तेजपाल सिंह, किताब महल, नई दिल्ली

SEMESTER - III

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कुमाउनी लोककथाएं	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study		
Programme: KUMAUNI BHASHA	Year: II	Semester: III Paper-GE
Course Code: GE[3]	Course Title: कुमाउनी लोककथाएं	

Course Outcomes:

CO 1. शिक्षार्थी लोककथा के अर्थ, स्वरूप और उसके विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 2. शिक्षार्थी लोककथा के स्रोत एवं लोक जीवन में उसके महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 3. शिक्षार्थी लोककथा के अध्ययन से परंपरागत लोक जीवन का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 4. शिक्षार्थी लोककथा में सम्मिलित विविध प्रकारों का अध्ययन करने के साथ ही भाषा के समृद्ध रूप का ज्ञान प्राप्त करता है। **CO 5.** शिक्षार्थी लोककथा के माध्यम से प्रकृति एवं पर्यावरण, लोक जीवन एवं स्त्री, सामाजिक एवं आर्थिक पक्ष का ज्ञान प्राप्त करता है।		
Credits: 4		**Generic Electives**
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	लोक कथा: स्वरूप एवं प्रकार	**10**
Unit II	कुमाउनी लोक कथाएं: वर्गीकरण एवं उद्देश्य	**20**
Unit III	कुमाउनी लोक कथाओं में प्रकृति एवं पर्यावरण, लोक जीवन एवं स्त्री	**10**
Unit IV	कुमाउनी वाचिक साहित्य संग्रह मे संकलित समस्त लोक कथाएं व्याख्या अंश	**10**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

पाठ्यपुस्तक

1. कुमाउनी वाचिक साहित्य, (सं०) डॉ० शेरसिंह बिष्ट, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या अंश)

सहायक ग्रंथ

1. कुमाउनी लोक कथा, डॉ० प्रभा पंत

2. उत्तराखंड की साहित्य परम्परा, डॉ० दिवा भट्ट, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
3. उत्तराखंड के लोकदेवता, डी०डी० शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उत्तराखंड का लोक साहित्य और जनजीवन, डॉ० सरला चंदोला, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER - IV

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study

Programme: -KUMAUNI BHASHA	Year: II	Semester: IV Paper-DSC

Course Code: DSC[4]	Course Title: कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी कुमाउनी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठयक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधा तथा महत्त्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4	**Discipline Specific Course**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	निबंध की परिभाषा, विधागत स्वरूप, उद्भव एवं विकास	5
Unit II	कुमाउनी के प्रमुख निबंधकार एवं उनका परिचय	**5**
Unit III	**व्याख्या हेतु निबंध:** एक घड़ी आफुण दगड़, एक विद्यालय योलै, आजदी कि पछ्याण, समाज निर्माण में साहित्यिक भूमिका, कुमाउँकि पछ्याण कुमाउनी, कुमाउंनी भाषा के अठूँ अनुसूची में शामिल हुण चैं, भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता, शिक्षा क्षेत्र में सुधार जरूरी	10

Unit IV	स्मारक साहित्य : अर्थ, स्वरूप एवं प्रमुख विधाएं	10
Unit V	प्रमुख स्मारक साहित्यकार एवं उनका परिचय	10
Unit VI	**स्मारक साहित्य की प्रतिनिधि रचनाएं** -संस्मरण एक छी नान दा - डॉ०दिवाभट्ट, यात्रावृतांत - शिखरसागर-महेन्द्रमटियानी, आत्मकथा-आत्मकथा अंश -मोहन राम टम्टा, रेखाचित्र-नेत - शेखरजोशी, साक्षात्कार - कबूतरीदेवी - डॉ०पवनेशठकुराठी, रिपोर्ताज थारु और बुक्सा भारोपीय परिवारकि भाषा छन - प्रो०देवसिंहपोखरिया, पत्रसाहित्य - मथुरादत्त मठपाल, जीवनी-विक्टर मोहन जोशी जी०सी०जोशी'गिरीश', फीचर-कातिकमहैणःदेवजागरणकबखत, व्यंग्य - ब्या छै या किरकिटमैच - हेमंतबिष्ट	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

पाठ्यपुस्तक

1. कुमाउनी स्मारक साहित्य, स0 डॉ० प्रीति आर्या, अखंड पब्लिसर्श, दिल्ली

सहायक ग्रंथ

1. बोलिक सजसमाव (सामूहिक निबंध संग्रह) संपादक - दामोदर जोशी 'देवांशु' (व्याख्या हेतु उपर्युक्त चयनित निबंध)
2. कुमाउनी निबंध एवं स्मारक साहित्य, स0 डॉ० प्रीति आर्या, अध्ययन पब्लिशर्स एंड डिस्टीब्यूटर्श, नई दिल्ली
3. हिंदी स्मारक साहित्य, डॉ० केशव दत्त रूवाली एवं डॉ० जगतसिंह बिष्ट, तारामंडल, सासनी गेट, अलीग

SEMESTER - IV

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: कुमाउनी पत्रकारिता	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	Year: II	Semester: IV Paper-DSE
Course Code: DSE 2	Course Title: कुमाउनी पत्रकारिता	

Course Outcomes:

CO1.पत्रकारिता की भाषा एवं साहित्य, व्यक्ति एवं समाज के विकास और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। रोजगार के क्षेत्र में भी पत्रकारिता ने नई सम्भावनाएं दी है। शिक्षार्थी पाठ्यक्रम के माध्यम से पत्रकारिता का मूलभूत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी समाचार लेखन के महत्वपूर्ण अंगों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. संपादन कलाएं प्रिंट, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं मुद्रण कला का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी जनसंचार माध्यम यथा, रेडियो, टेलीविजन इत्यादि के लिए लेखन कार्य ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	**Discipline Specific Electives**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	पत्रकारिता: स्वरूप एवं प्रकार, भारत में पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय	10
Unit II	कुमाउनी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास	10
Unit III	समाचार लेखन: स्वरूप, सिद्धांत, प्रकृति, वर्गीकरण, विशेषता	10
Unit IV	शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, मुद्रण कला	10
Unit V	संपादन कला.प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया जनसंचार के माध्यम - प्रेस, रेडियो, दूरदर्शन या टीवी, फिल्म (सिनेमा), विडियो, इंटरनेट	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

पाठ्यपुस्तक

1. कुमाउनी पत्रकारिता: विविध विधाएं, डॉ० प्रीति आर्या एवं डॉ० आशा शैली, किताब महल पब्लिशर्स, नई दिल्ली

सहायक ग्रंथ

1. पत्रकारिता: विविध विधाएं, राजकुमारी रानी, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
3. पत्रकारिता एवं उसके विविध स्वरूप, डॉ० ललित चंद्र जोशी, समय साक्ष्य देहरादून
4. मीडिया में कैरियर, पी० के० आर्य, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली

SEMESTER - IV

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कुमाउनी प्रकीर्ण साहित्य	4	2	1	1		Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study		
Programme: KUMAUNI BHASHA	**Year: II**	**Semester: IV** **Paper-GE**
Course Code: GE[4]	Course Title: **कुमाउनी प्रकीर्ण साहित्य**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी प्रकीर्ण साहित्य के अर्थ, स्वरूप और विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी प्रकीर्ण साहित्य के स्रोत एवं लोक जीवन में उसके महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी प्रकीर्ण साहित्य का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी प्रकीर्ण साहित्य में सम्मिलित विविध प्रकारों (मुहावरें, कहावतें, लोकोक्तियां, पहेलियां) का अध्ययन करने के साथ ही भाषा के समृद्ध रूप का ज्ञान प्राप्त करता है

CO5. शिक्षार्थी मुहावरें, कहावतें, लोकोक्तियां, पहेलियोँ में निहित जीवन दर्शन के ज्ञान के साथ-साथ वाणी एवं बुद्धि चातुर्य को उभारता है।

Credits: 4	**Generic Electives**

Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	प्रकीर्ण साहित्य: अर्थ एवं स्वरूप, कुमाउनी प्रकीर्ण साहित्य	**10**
Unit II	कुमाउनी प्रकीर्ण साहित्य: वर्गीकरण, विशेषताएं एवं महत्व	**20**
Unit III	कुमाउनी मुहावरें, कहावतें, कुमाउनी पहेलियां (आ्ण) का परिचय	**10**
Unit IV	कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरें: विविध संदर्भ (कृषि, नारी एवं प्रौद्योगिकी विषयक कहावतों में प्रत्येक से प्रारंभिक 15, मुहावरे प्रारंभिक 50 एवं पहेलिया प्रारंभिक 50), घुघूती-वासुति, बालगीत	**10**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

सहायक ग्रंथ

1. प्रो0 शेरसिंह बिष्ट, कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरें, विविध संदर्भ, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी, नैनीताल
2. डॉ० त्रिलोचन पाण्डे, कुमाउनी भाषा और उसका साहित्य, उ०प्र० हिंदी समिति, लखनऊ
3. डॉ० केशवदत्त रुवाली, कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
4. डॉ० शेर सिंह बिष्ट एवं डॉ० सुरेन्द्र जोशी, जनपदीय भाषा साहित्य, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी
5. डॉ० प्रीति आर्या, लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति में दलित, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी

Bachelor of in Multidisciplinary Study- KUMAUNI BHASHA

SEMESTER - V

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: कुमाउनी काव्य तृतीय चरण	4	2	1	1		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	Year: III	Semester: V Paper-DSC
Course Code: DSC[5]	Course Title: कुमाउनी काव्य तृतीय चरण	

Course Outcomes:

CO 1. शिक्षार्थी कुमाउनी काव्य के तृतीय चरण की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी कुमाउनी साहित्य परंपरा के तृतीय चरण के कवियों के कृतित्व का तत्कालीन परिस्थितियों के आलोक में सैद्धांतिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है ।		
Credits: 4	**Discipline Specific Course**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	तृतीय चरण के कवियों का परिचय, साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं विशेषताएं	15
Unit II	राजेन्द्र बोरा - काँ हराण, बालमसिंह जनोटी - संविधानकि पीड़, रतनसिंह किरमोलिया - धुर जङोव बचौण छन, एम०डी०अंडोला - बौव, देवसिंह पोखरिया - ठाड़ ह्वेजा, जगदीश जोशी - जैङड़ी, उज्याव] गिरीश अधिकारी- किरसाण (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 15 पद)	15
Unit III	जयबालागोरिया : जुगल किशोर पेटशाली (व्याख्या हेतु चतुर्थ से सप्तम सर्ग)	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

पाठ्यपुस्तक

1. कुमाउनी काव्य संचयन डॉ० चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन हल्द्वानी (व्याख्या हेतु चयनित काव्य)
2. जयबाला गोरिया - जुगलकिशोर पेटशाली, तक्षशिला प्रकाशन, नईदिल्ली

सहायक ग्रंथ

1. कुमाउनी कवियों का विवेचनात्मक अध्ययन, डॉ० नारायणदत्त पालीवाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस

2. कुमाउनी, शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. उत्तराखंड की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों, डॉ० दिवा भट्ट, प्रकाश पब्लिकेशन, अल्मोड़ा

SEMESTER - V

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: कुमाउनी लोक छंद	4	2	1	1		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	**Year: III**	**Semester: V** **Paper-DSE**
Course Code: DSE^{3}	Course Title: **कुमाउनी लोक छंद**	
Course Outcomes:		

CO 1. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत छंद के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 2. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत कुमाउनी लोक छंद का ज्ञान प्राप्त करता है। जिससे लोकगीतों की समझ एवं सृजन की क्षमता विकसित होगी।

CO 3. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत लोकगाथाओं में प्रयुक्त छंदों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	**Discipline Specific Electives**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	कुमाउनी लोक छंद : चयनित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण	10
Unit II	कुमाउनी मुक्तक लोकगीतों में प्रयुक्त छंद	10
Unit III	लोकगाथाओं की गायन शैली में प्रयुक्त छंद	10
Unit IV	मात्रिक छंद	10
Unit V	वर्णिक छंद	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

सहायक ग्रंथ

1. कुमाउनी लोकगीतों में छंद योजना, प्रो0 देव सिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी, नैनीताल
2. रस, छंद, अलंकार- डॉ. केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा

3 अलंकार परिजात, नरोत्तम दास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. काव्य निकस, प्रो0 परमानंद चौबे

SEMESTER -V

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कुमाउनी संस्कृति	4	2	1	1		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	Year: III	Semester: V Paper-GE
Course Code: GE[5]	Course Title: कुमाउनी संस्कृति	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी कुमाउनी संस्कृति के समग्र स्वरूप और महत्व का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी संस्कृति को समझते हुए उसके बहुआयामी स्वरूप का व्यापक परिप्रेक्ष्य में ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी कुमाउनी संस्कृति के विविध आयामों यथा - वर्णव्यवस्था, जातिप्रथा, विविधसंस्कार, लोकधर्म, देवी-देवता, पर्व - उत्सव- त्यौहार, लोकविश्वासों एवं अल्पना (ऐपण) कला का सामान्य परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कुमाउनी भाषा एवं उसकी संस्कृति का व्यापक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी कुमाउनी समाज एवं उसमें व्यवहृत संस्कृति का परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है ।

Credits: 4	**Generic Electives**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, सभ्यता एवं संस्कृति	10
Unit II	कुमाउनी संस्कृति के विविध आयाम - वर्ण व्यवस्था, जाति प्रथा, विविध संस्कार, लोक धर्म, देवी-देवता, पर्व -उत्सव एवं त्यौहार, अल्पना (ऐपण) कला आदि	20
Unit III	कुमाउनी संस्कृति , पर्यावरण और पर्यटन	10
Unit IV	न्यू मीडिया और कुमाउनी संस्कृति	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

सहायक ग्रंथ

1. डॉ० देव सिंह पोखरिया, कुमाउनी भाषा साहित्य एवं संस्कृति, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
2. डॉ० दिवा भट्ट, उत्तराखंड की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां, प्रकाश पब्लिकेशन, अल्मोड़ा
3. डॉ० गोविंद चातक, भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ - मध्य हिमालय, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली
4. डॉ० प्रयाग जोशी, कुमाउनी लोकवार्ताएं, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी
5. डॉ० प्रीति आर्या लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति में दलित, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी
6. डॉ० शेर सिंह बिष्ट, मध्य हिमालयी समाज, संस्कृति एवं पर्यावरण, इण्डियन पब्लिकेशन, नई दिल्ली
7. डॉ० केशव दत्त रुवाली, कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा

SEMESTER - V

CREDITDISTRIBUTION,ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
IAPC: **कुमाउनी प्रोजेक्ट**	4	2	1	1		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme: - KUMAUNI BHASHA		**Year: III**	**Semester: V** **Paper-IAPC**
Course Code: IAPC[1]	Course Title: **कुमाउनी प्रोजेक्ट**		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Bachelor of in Multidisciplinary Study-KUMAUNI BHASHA

SEMESTER - VI

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC: कुमाउनी अनुदित साहित्य	4	2	1	1		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	Year: III	Semester: VI Paper-DSC
Course Code: DSC^{6}	Course Title: कुमाउनी अनूदित साहित्य	
Course Outcomes:		

CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी लोक भाषाओं के विकास में अनुवाद की भूमिका का ज्ञान प्राप्त करता है। कुमाउनी भाषा एवं साहित्य में अनुवाद के भूमिका का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए कुमाउनी एवं हिंदी अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगारपरक अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।

Credits: 4	**Discipline Specific Course**

Unit	Topic	No. of Hours
UNIT -I	अनुवाद: सिद्धांत , स्वरुप एवं समस्याएं	10
UNIT -II	अनुवाद की प्रकृति: शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण एवं आंशिक अनुवाद	10
UNIT -III	कुमाउनी अनुवाद साहित्य की परंपरा एवं प्रकार	10
UNIT -IV	कुमाउनी से हिंदी में अनुवाद कार्य: एक गद्यांश एवं पद्यांश	10
UNIT -V	हिंदी से कुमाउनी में अनुवाद कार्य: एक गद्यांश एवं पद्यांश	10

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

सहायक ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान की भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद की समस्याएँ, जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अनुवाद की प्रकिया - तकनीक और समस्याएं, डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कुमाउनी, डॉ. शेर सिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
5. कुमाउनी हिंदी व्युत्पत्ति कोश, ग्रंथायन, अलीगढ़

SEMESTER - VI

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE: कुमाउनी लोकगाथा	**4**	2	**1**	1		**Nil**

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: KUMAUNI BHASHA	**Year: III**	**Semester: VI** **Paper-DSE**
Course Code: DSE[4]	Course Title: **कुमाउनी लोकगाथा**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी लोकगाथा के अर्थ, स्वरूप और विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी लोकगाथा के स्रोत एवं लोक जीवन में उसके महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी लोकगाथा के अध्ययन से ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोकगाथा में सम्मिलित विविध प्रकारों का अध्ययन करने के साथ ही भाषा के समृद्ध रूप का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी लोकगाथा के माध्यम से भाषिक, मनोवैज्ञानिक एवं लोक विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	**Discipline Specific Electives**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	कुमाउनी लोक गाथाएं: अवधारणा, स्वरूप, वर्गीकरण, विशेषताएं एवं उद्देश्य	10

Unit II	लोक विज्ञान: अवधारणा और आयाम	20
Unit III	कुमाउनी लोक गाथाओं का भावपक्षीय वैशिष्ट्य: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक	10
Unit IV	कुमाउनी जागर गाथाओं का लोक विज्ञान विश्लेषण	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

सहायक ग्रंथ

1. कुमाउनी वाचिक साहित्य, (सं०) डॉ० शेरसिंह बिष्ट, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या अंश)
2. लोक साहित्य, डॉ० चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी
3. लोकसाहित्य विज्ञान, डॉ० सत्येन्द्र - लोक साहित्य विज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
4. कुमाऊँ का लोकसाहित्य, डॉ० त्रिलोचन पांडे, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
5. कुमाउनी लोक साहित्य की पृष्ठभूमि डॉ० त्रिलोचन पांडे, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
6. कुमाऊँ का लोक साहित्य, डॉ० कृष्णानंद जोशी, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
7. कुमाउनी लोकगीत, (सं०) डॉ० देवसिंह पोखरिया, मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद, भोपाल

SEMESTER - VI

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE: कुमाउनी शब्दावली, वाक्य संरचना एवं मानकीकरण	4	2	1	1		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -KUMAUNI BHASHA	Year: III	Semester: VI Paper-GE
Course Code: GE[6]	Course Title: कुमाउनी शब्दावली, वाक्य संरचना एवं मानकीकरण	
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी कुमाउनी की भाषिक संरचना का विस्तृत रचनात्मक परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।		

CO2. शिक्षार्थी रचना, इतिहास व अर्थ के आधार पर कुमाउनी शब्दावली के वर्गीकरण का रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी कुमाउनी वाक्य - रचना और उसके विविध प्रकारों का विस्तृत परिचय और सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी मानकीकरण को समझते हुए उसके आलोक में कुमाउनी भाषा के मानकीकरण की समस्या से रूबरू होकर उसके समाधान का सैद्धांतिक ज्ञान व परिचय प्राप्त करता है ।

Credits: 4	**Generic Electives**	
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	कुमाउनी शब्दावली : कुमाउनी की उच्चारण पद्धति,कुमाउनी की विशिष्ट शब्दावली, शब्दों का वर्गीकरण - रचना के आधार पर, इतिहास के आधार पर, अर्थ के आधार पर	20
Unit II	वाक्य : परिभाषा, कुमाउनी वाक्य रचना, वाक्य भेद, वाक्य विश्लेषण, वाक्य संश्लेषण, क्रियापद, सामान्य अशुद्धियां, शुद्ध वाक्य, कुमाउनी वाक्यों के विशिष्ट प्रकार	15
Unit III	कुमाउनी भाषा का मानकीकरण : समस्या और समाधान, मानकीकृत कुमाउनी भाषा में गद्य का नमूना	15
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10

सहायक ग्रंथ

1. भाषा एवं संस्कृति, प्रो० केशव दत्त रुवाली, कुमाउनी अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा
2. कुमाउनी भाषा का उद्भव और विकास और उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, डॉ० देवसिंह पोखरिया एवं डॉ० भगत सिंह अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी
3. कुमाउनी (हिंदी की सहभाषा), साहित्य अकादेमी नई दिल्ली
4. कुमाऊँ हिमालय की बोलियों का सर्वेक्षण, इंडियन पब्लिशिर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
5. उत्तरांचल : भाषा एवं साहित्य का संदर्भ, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, डॉ० शेरसिंह बिष्ट
6. कुमाउनी का संस्कृतमूलक व्याकरण, भाषा विज्ञान एवं साहित्य, डॉ० भवानीदत्त काण्डपाल - उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार
7. कुमाउनी गुजराती मराठी समस्रोतीय - समानार्थी शब्दकोश, डॉ० चन्द्रकला रावत, वितरक, कंसल बुक डिपो

SEMESTER - VI

CREDITDISTRIBUTION, ELIGIBILITYANDPRE-REQUISITESOFTHECOURSE

TEACHING HOURS - 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		

IAPC: **कुमाउनी प्रोजेक्ट**	**4**	2	**1**	1		**Nil**

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: - KUMAUNI BHASHA	**Year: III**	**Semester: VI** **Paper-IAPC**
Course Code: IAPC 2	Course Title: **कुमाउनी प्रोजेक्ट**	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।